University in News on 11 April 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

मीठे जल की मछलियों को बीमार बना रही गोल्डफिश

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। घरों में पाली जाने वाली गोल्डफिश के पैरासाइट्स (परजीवी) मीठे जल में पाई जाने वाली मछलियों को बीमार कर रहे हैं। ऐसा तब होता है जब लोग इन मछलियों को घरों से निकालकर नदी या तालाब में छोड़ देते हैं। फिर मीठे जल की संक्रमित मछलियों को खाने वाले लोगों को सांस या अन्य बीमारियों के होने का खतरा बढ़ जाता है।

गोल्ड फिश के इस परजीवी मोनोजेनिया से होने वाली बीमारियों के कारण व निवारण के लिए लविवि अध्ययन करेगा। इसके लिए जंतु विज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. अमित त्रिपाठी शोध करने ऑस्ट्रिया जाएंगे। वह दो माह तक वहां की प्रयोगशाला में इसके बारे जानकारी जुटाकर विकल्प तलाशेंगे। इसके लिए वहां की सरकार ने अनुदान प्रदान किया है।

डॉ. अमित ने बताया कि उनकी विशेषज्ञता मछलियों के पैरासाइट्स पर अध्ययन की है। उन्होंने बताया कि गोल्डफिश भारतीय नस्ल की मछली नहीं है फिर सुंदर दिखने और सस्ती मिलने के कारण यह आपको हर पालने वाले के यहां दिख जाएगी। जब यह ज्यादा बड़ी हो जाती है तो लोग इन्हें नदियों या तालाबों में छोड़ देते हैं, जो स्थानीय और देशी मछलियों के लिए घातक होता है। भारत मत्स्य उद्योग एक बड़ा उद्योग है जो अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। इसलिए भी यह अध्ययन आवश्यक है।

लविवि तलाशेगा कारण और निवारण, मिला शोध अनुदान

जीवविज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. अमित त्रिपाठी जाएंगे ऑस्ट्रिया

क्या है मोनोजेनिया

मोनोजेनिया मछलियों की त्वचा, गलफड़ों व पंखों पर पाए जाने वाले परजीवी हैं जो मछलियों को संक्रमित करने की शक्ति रखते हैं। इनकी खासियत यह है कि उभयलिंगी होते हैं जो मीठे जल की मछलियों को संक्रमित करते हैं और फिर ये मछलियां मनुष्यों को संक्रमित करती हैं।

लविवि : पार्ट टाइम पीएचडी के लिए कटऑफ जारी

लखनऊ। लविवि ने पार्ट टाइम पीएचडी के चार विषयों के चयनित अभ्यर्थियों की फाइनल कटऑफ सूची जारी कर दी है। अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट पर लॉगिन आईडी का उपयोग कर सूची देख सकते हैं। शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल होगी। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पार्ट टाइम पीएचडी के अंतर्गत जिन विषयों के चयनितों की कटऑफ सूची जारी की गई है, उसमें इकनॉमिक्स, एजुकेशन, जियोलॉजी एवं पत्रकारिता शामिल हैं। अभ्यर्थी समस्या आने पर प्रवेश समन्वयक कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। (संवाद)

प्रो. संजय गुप्ता बने राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के शिक्षक प्रो. संजय गुप्ता को विभाग का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वह तीन वर्ष तक इस पद पर बने रहेंगे। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने यह आदेश जारी किया। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

डॉ. संजय गुप्ता बने राजनीतिशास्त्र के हेड

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में राजनीतिशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष का नाम तय कर दिया गया है। प्रो. संजय गुप्ता को विभाग का नया विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस संबंध में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने पत्र जारी कर दिया है। उन्होंने बताया कि वह 12 अप्रैल, 2024 से अगले तीन वर्ष या अधिवर्षिता आयु पूरी करने तक इस पद पर बने रहेंगे।

पार्ट टाइम पीएचडी के चयनितों की सूची जारी

लखनऊ। एलयू में शैक्षिक सत्र 2023-24 पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के तहत पार्ट टाइम पीएचडी के चार विषयों में चयनितों की सूची जारी कर दी गई है। इस संबंध में प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि अर्थशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, भूगर्भ विज्ञान और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में चयनितों की सूची जारी की गई है। गुरुवार को दोपहर दो बजे से 20 अप्रैल तक फीस भर सकेंगे।

लुम्बा के सुयश को 4.5 लाख सालाना का पैकेज

लखनऊ। एलयू के व्यवसाय प्रशासन विभाग में राल्सन इंडिया की ओर से वर्चुअल प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन हुआ। इसमें छात्र सुयश साहू का प्रतिवर्ष 4.50 लाख रूपये पर चयन हुआ। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कंपनी में 38 छात्रों ने आवेदन किया। 11 शॉर्टलिस्ट हुए। केवल दो छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया गया। इसमें अंतिम राउंड में सुयश साहू को सफलता मिली।

i-NEXT PAGE 4

आया पीएचडी एडमिशन का रिजल्ट

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बुधवार को जारी किया रिजल्ट

LUCKNOW (10 APRIL): लखनऊ विश्वविद्यालय ने फुल टाइम के बाद अब पार्ट टाइम पीएच.डी. दाखिले के परिणाम जारी दिए हैं. बुधवार को परिणाम की पहली सूची में अर्थशास्त्र, शिक्षा, भू-विज्ञान और पत्रकारिता और जनसंचार विषय में प्रवेश के लिए चयनित अभ्यर्थियों के परिणाम शामिल हैं.

30 तक फीस जमा करें

प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज माथुर की ओर से जारी परिणाम के अनुसार, इन विषयों में प्रवेश के लिए चयनित अभ्यर्थी अपनी लागइन आईडी का प्रयोग कर 11 अप्रैल को दोपहर दो बजे से आनलाइन फीस जमा कर सकेंगे. इसकी अंतिम तिथि 20 अप्रैल तक तय की गई है.

8 सीट पर सिर्फ एक चयनित

शिक्षा विषय में आठ सीटों के सापेक्ष सिर्फ एक अभ्यर्थी प्रवेश के लिए पात्र हुआ है. इसलिए शेष सात सीटें खाली रहेंगी। अर्थशास्त्र विषय में एक, भू-विज्ञान की दो और पत्रकारिता एवं जन संचार में एक सीट के अनुसार ही अभ्यर्थी पास हुए हैं. प्रवेश समन्वयक ने बताया कि जल्द ही पार्ट टाइम पीएचडी के और विषयों के परिणाम जारी किए जाएंगे.

61 सीटों पर लिए गए थे आवेदन

लखनऊ विश्वविद्यालय ने पार्ट टाइम पीएचडी के लिए 19 विषयों में 61 सीटों पर आवेदन लिए गए थे. सबसे ज्यादा सीटें अप्लाइड इकोनामिक्स, केमिस्ट्री, एजुकेशन, फिजिक्स एवं स्टैटिस्टिक्स विषय में हैं. अभी चार विषयों के परिणाम जारी हुए हैं.

कापी में भरा गलत पेपर कोड, परिणाम में अनुस्थित

एलयू में तमाम ऐसे छात्र परीक्षा विभाग आ रहे हैं, जिन्होंने विषम सेमेस्टर की परीक्षा के किसी विषय में पेपर कोड या अपना रोल नंबर गलत भर दिया. अब उस विषय में उन्हें अनुपस्थित घोषित कर दिया गया. मार्कशीट में भी वही चढ़कर आए. इससे विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं. परीक्षा विभाग का कहना है कि विद्यार्थियों ने ही गलत कोड भरा होगा, जिससे दिक्कत हुई होगी. छात्र की ओर से लिखित विवरण उपलब्ध कराने पर समस्या का समाधान कराया जा रहा है.

डा. संजय गुप्ता बने विभागाध्यक्ष

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के प्रो. डा. संजय गुप्ता को विभाग का अध्यक्ष बनाया गया है. उनका कार्यकाल 12 अप्रैल से तीन वर्ष की अवधि अथवा अधिवर्षता आयु पूरी होने या अन्य कोई आदेश होने तक मान्य होगा. वीसी के अनुमोदन के बाद कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने बुधवार को आदेश जारी कर दिया.

छात्र का 4.50 लाख के पैकेज पर चयन

लखनऊ विश्वविद्यालय के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग में हुए प्लेसमेंट ड्राइव में राल्सन इंडिया कंपनी ने फाइनल राउंड में छात्र सुयश साहू का चयन किया. उन्हें कंपनी ने 4.50 लाख के सीटीसी के साथ पुणे, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद, लखनऊ, रायपुर और मेरठ जैसे विभिन्न स्थानों में पदों की पेशकश की है. प्लेसमेंट ड्राइव में 38 छात्रों ने आवेदन किया था.

फार्म के क्षेत्र में थ्री डी प्रिंटिंग का उपयोग

एलयू के इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में बुधवार को एमिनेंट लेक्चर सीरीज के अंतर्गत एकेटीयू के सेंटर फार एडवांस स्टडीज के डीन एकेडमिक डा. अनुज कुमार शर्मा ने एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के बुनियादी सिद्धांत चुनौतियां और भविष्य विषय पर व्याख्यान दिया. उन्होंने फार्मा के क्षेत्र में थ्रीडी प्रिंटिंग के उपयोग के लिए छात्रों को प्रेरित किया.

LOKSATYA PAGE 3

थ्री-डी प्रिंटिंग के इस्तेमाल के लिये प्रेरित किया

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के भेषजिक विज्ञान संस्थान (इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल साईंसेज) में एमिनेंट लेक्चर सीरीज के अंतर्गत डॉ अनुज कुमार शर्मा, डीन एकेडेमिक्स, सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज, डॉ एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी लखनऊ ने 'एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के बुनियादी सिद्धांत चुनौतियां और भविष्य' विषय पर व्याख्यान दिया।

जिसमे उन्होंने बताया की 3डी प्रिंटिंग का पर्सनलाइज़्ड मेडिसिन एवं टार्गेटेड थेरेपी करने पर स्वास्थय सेवाओं में सुधार हो सकता है। उन्होंने फार्मा के क्षेत्र में 3डी प्रिंटिंग के उपयोग के लिए छात्रों को प्रेरित किया। अतिथि का स्वागत प्रो पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी, निदेशक, भेषजिक विज्ञान संस्थान, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

सुयश का प्लेसमेंट ड्राइव में चयन

सुयश साहू

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन हुआ। ऑनलाइन प्लेसमेंट प्रक्रिया में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के छात्र का चयन किया गया। लविवि में आयोजित प्लेसमेंट प्रक्रिया में 38 छात्रों का साक्षात्कार हुआ। इसमें सेल्स और मार्केटिंग में विशेषज्ञता वाले छात्रों को चुना गया। कुल चयन के दौरान 38 छात्रों का साक्षात्कार हुआ। इसमें से 11 शार्टलिस्ट किये गए छात्रों ने भाग लिया। कुल दो छात्र शार्टलिस्ट हुए। इनमें से अंतिम राउण्ड में सुयश साहू का चयन किया गया। टायर निर्माण करने वाली देश की प्रमुख कंपनी में चयन को लेकर कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बधाई दी है। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. संगीता साहू, प्लेसमेंट एवं कैरियर डेवलपमेंट सेल के समन्वयक डॉ. अनु कोहली, डॉ. वेद श्रीवास्तव, डॉ. अंकिता श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

सिद्धांत, चुनौतियों और भविष्य पर व्याख्यान

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में एमिनेंट लेक्चर सीरीज 2023-24 के अंतर्गत एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के बुनियादी सिद्धांत चुनौतियां और भविष्य विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम के दौरान डीन एकेडेमिक्स डॉ. अनुज कुमार शर्मा ने बताया कि 3 डी प्रिंटिंग का पर्सनलाइज्ड मेडिसिन एवं टार्गेटेड थेरेपी करने पर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हो सकता है। उन्होंने फार्मा के क्षेत्र में 3 डी प्रिंटिंग के उपयोग के लिए छात्रों को प्रेरित किया। भेषजिक विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बिन्दुवार जानकारी दी गई। इस अवसर पर असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आकांक्षा मिश्रा सहित छात्र शिखर. आवेश. अदीबा. यक्ता. प्रियंका. ज्योति एवं अंशमान उपस्थित रहे।

संजय बने राजनीति शास्त्र के विभागाध्यक्ष

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रोफेसर डॉ. संजय गुप्ता को प्रोन्नत किया गया है। अभी तक राजनीति शास्त्र में प्रोफेसर रहे डॉ. संजय गुप्ता अब राजनीति विभाग के विभागाध्यक्ष बनाए गए हैं। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के निर्देश पर कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कार्यालय आदेश जारी किया है।

JAGRAN CITY PAGE III

डा. संजय बने विभागाध्यक्ष

जासं● **लखनऊ:** लवि के राजनीति शास्त्र विभाग के प्रोफेसर डा. संजय

प्रो. संजय गुप्ता

गुप्ता को विभाग का अध्यक्ष बनाया गया है। उनका कार्यकाल 12 अप्रैल से तीन वर्ष की अवधि अथवा अधिवर्षता आयु पूरी होने या अन्य कोई आदेश होने तक मान्य होगा।

4.50 लाख के पैकेज पर चयन

जासं● **लखनऊ:** लवि के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग में हुए प्लेसमेंट ड्राइव में राल्सन इंडिया कंपनी ने फाइनल राउंड में छात्र सुयश साहू का चयन किया। उन्हें कंपनी ने 4.50 लाख के सीटीसी के साथ पुणे, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद, लखनऊ, रायपुर और मेरठ जैसे विभिन्न स्थानों में पदों की पेशकश की है। प्लेसमेंट ड्राइव में 38 छात्रों ने आवेदन किया था।

पार्ट टाइम पीएचडी दाखिले के परिणाम जारी

जासं● **लखनऊ:** लखनऊ विश्वविद्यालय ने फुल टाइम के बाद अब पार्ट टाइम पीएच.डी. दाखिले के परिणाम जारी दिए हैं। बुधवार को परिणाम की पहली सूची में अर्थशास्त्र, शिक्षा, भू-विज्ञान और पत्रकारिता और जनसंचार विषय में प्रवेश के लिए चयनित अभ्यर्थियों के परिणाम शामिल हैं। जारी परिणाम के अनुसार, इन विषयों में प्रवेश के लिए चयनित अभ्यर्थी अपनी लागइन आइडी का प्रयोग कर 11 अप्रैल को दोपहर दो बजे से आनलाइन फीस जमा कर सकेंगे। इसकी अंतिम तिथि 20 अप्रैल तक तय की गई है।

शिक्षा विषय में आठ सीट पर सिर्फ एक चयनित : शिक्षा विषय में आठ सीटों के सापेक्ष सिर्फ एक अभ्यर्थी प्रवेश के लिए पात्र हुआ है। इसलिए शेष सात सीटें खाली रहेंगी। अर्थशास्त्र विषय में एक, भू-विज्ञान की दो और पत्रकारिता एवं जन संचार में एक सीट के अनुसार ही अभ्यर्थी पास हुए हैं। प्रवेश समन्वयक ने बताया कि जल्द ही पार्ट टाइम पीएच.डी. के और विषयों के परिणाम जारी किए जाएंगे।

19 विषयों की 61 सीटों पर लिए गए थे आवेदन : लवि ने पार्ट टाइम पीएच.डी. के लिए 19 विषयों में 61 सीटों पर आवेदन लिए गए थे। सबसे ज्यादा सीटें अप्लाइड इकोनामिक्स, केमिस्ट्री, एजुकेशन, फिजिक्स एवं स्टैटिस्टिक्स विषय में हैं।